PG छात्रों के लिए रिसर्च कौशल विकास की दिशा में बड़ा कदम — Netaji Subhas Medical College and Hospital, Patna में शुरू हुई दो दिवसीय अनुसंधान कार्यशाला

दिनांक 7 अप्रैल 2025, Netaji Subhas Medical College and Hospital (NSMCH), Patna के ऑडिटोरियम में 'रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप' का उद्घाटन भव्य रूप से हुआ। यह दो दिवसीय कार्यशाला विशेष रूप से पीजी छात्रों के लिए आयोजित की गई है, जिसका उद्देश्य उन्हें शोध कार्य की मूलभूत समझ—जैसे कि रिसर्च प्रश्न निर्माण, डेटा संग्रह, सांख्यिकीय विश्लेषण और निष्कर्षों की व्याख्या—के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना है।

कार्यशाला का उद्घाटन NSMCH के माननीय प्रबंध निदेशक (MD) की गरिमामयी उपस्थिति और प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने कहा:

"गुणवत्ता आधारित चिकित्सा अनुसंधान आज के मेडिकल एजुकेशन का अभिन्न हिस्सा है। इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों में अनुसंधान की समझ विकसित कर उन्हें उत्कृष्ट चिकित्सक और शोधकर्ता बनने की दिशा में प्रेरित करेंगी।"

प्राचार्य प्रो. डॉ. अशोक शरण ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की अकादमिक गतिविधियाँ न केवल छात्रों को लाभान्वित करती हैं, बल्कि नव नियुक्त शिक्षकों के लिए भी यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती हैं।

डीन प्रो. डॉ. हरिहर दीक्षित ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा:

"इस प्रकार की कार्यशालाएं छात्रों और फैकल्टीज में अनुसंधान एवं प्रकाशन की गुणवत्ता को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक दृष्टिकोण और प्रेरणा का संचार करती हैं।"

कार्यशाला में अतिथि वक्ताओं के रूप में शामिल हुए:

- डॉ. वीणा कुमारी, एचओडी, बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी, AIIMS पटना
- डॉ. श्रुति सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, फार्माकोलॉजी, AIIMS पटना
- डॉ. आलोक रंजन, एसोसिएट प्रोफेसर, कम्युनिटी एंड फैमिली मेडिसिन, AIIMS पटना

इन विशेषज्ञों द्वारा कार्यशाला के पहले दिन लिटरेचर रिव्यू, स्टडी डिज़ाइन, सैंपल साइज कैलकुलेशन, और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग जैसे विषयों पर गहन सत्र लिए गए।

कार्यशाला की आयोजन सचिव, डॉ. स्वर्णिमा सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, बायोकैमिस्ट्री, सब-डीन, लैब डायरेक्टर) ने NSMCH की फैकल्टी टीम के साथ मिलकर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और उसका उत्कृष्ट समन्वय किया।

कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) श्वेता झा, डॉ. पल्लवी आनंद, डॉ. इश्तियाक अहमद, डॉ. अमृतांशु, डॉ. प्रशांत कुमार सिंह एवं डॉ. श्रेष्ठा जैसे शिक्षकगण भी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

यह कार्यशाला PG छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य में दक्ष बनाने की दिशा में NSMCH का एक महत्वपूर्ण और सराहनीय प्रयास है।